मीटल स्टेनोसिस क्या है?

मूत्रमार्ग का द्वार (मीटस) असामान्य रूप से सिकुड़ने को मीटल स्टेनोसिस कहते हैं। अगर द्वार बहुत संकरा हो जाता है, तो मूत्राशय से मूत्र (पेशाब) निकलने में कठिनाई होगी और मूत्राशय पूरी तरह से खाली नहीं हो पाएगा। अगर इसका उपचार न किया जाए, तो इससे मूत्र मार्ग में संक्रमण और गुर्दे की समस्याएं हो सकती हैं।

मीटल स्टेनोसिस खतने की एक सामान्य जटिलता है, जो मूत्रमार्ग पर मूत्र के उत्तेजक प्रभावों के लगातार संपर्क में रहने और डायपर या कपड़ों पर मीटस के रगड़ने से होती है।

मीटल स्टेनोसिस के लक्षण और संकेत क्या हैं?

बच्चों में निम्नलिखित लक्षण हो सकते हैं:

- पेशाब करने में परेशानी
- बार-बार पेशाब आना
- लंबे समय तक पेशाब आना
- पेशाब की पतली धार
- पेशाब शुरू करने और उसे जारी रखने में परेशानी
- शौचालय में धार पहुंचाने में परेशानी
- एक धार के बजाय पेशाब के छींटे पड़ना
- पेशाब करते समय पीठ में खिंचाव या झुकाव

कुछ बच्चों के पेशाब में पतला खून या पेशाब करते समय दर्द हो सकता है।

मीटल स्टेनोसिस का उपचार कैसे किया जाता है?

इस स्थिति का इलाज सर्जरी से किया जाता है, जिसे मीटोप्लास्टी कहते हैं। मूत्रमार्ग को खोलने या चौड़ा करने के लिए उसके नीचे एक चीरा (कट) लगाया जाता है। ऑपरेशन कक्ष में सामान्य एनेस्थीसिया के तहत सर्जरी की जाती है, लेकिन कार्यालय में स्थानीय एनेस्थीसिया का उपयोग करके भी किया जा सकता है।

अगर ऑपरेशन रूम में किया जाता है, तो मूत्रमार्ग में एक चीरा लगाया जाता है और मूत्रमार्ग के चारों ओर घुलनशील टांके (स्टिचेस) लगाए जाते हैं। अगर यह ऑपरेशन अस्पताल में किया जाता है, तो मूत्रमार्ग में एक छोटा सा चीरा लगाया जाता है, लेकिन कोई टांके नहीं लगाए जाते।

अगर संकरा छेद ठीक न किया जाए, तो पेशाब करना मुश्किल हो सकता है और मूत्र मार्ग में संक्रमण और गुर्दे में सूजन हो सकती है।

सर्जरी के बाद क्या होता है?

मीटोप्लास्टी के बाद, जागते समय हर 2 घंटे में टांकों (अगर लगे हों) पर ट्रिपल एंटीबायोटिक मरहम लगाएं। आपको मूत्रमार्ग की देखभाल भी करनी पड़ सकती है, दिन में कई बार छेद में मरहम की एक बूंद डालें।

आपके बच्चे को पहले 24 घंटों तक पेशाब करते समय जलन हो सकती है। आम तौर पर, वे अगले दिन स्कूल जा सकते हैं, जब तक कि उन्हें ज़्यादा परेशानी न हो।

कोई भी जलन कम करने में मदद के लिए अपने बच्चे को दिन भर कुछ घंटों के अंतराल पर पानी पीने का बढ़ावा दें। पेशाब जितना कम गाढ़ा होगा, जलन उतनी ही कम होगी। खट्टे फलों का रस और सोडा न लें।

अगर सर्जरी के बाद आपका बच्चा पेशाब नहीं कर पा रहा है या धार पतली या फटी हुई है, तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

Last Updated: 09/2025 per Katie Potts, RN